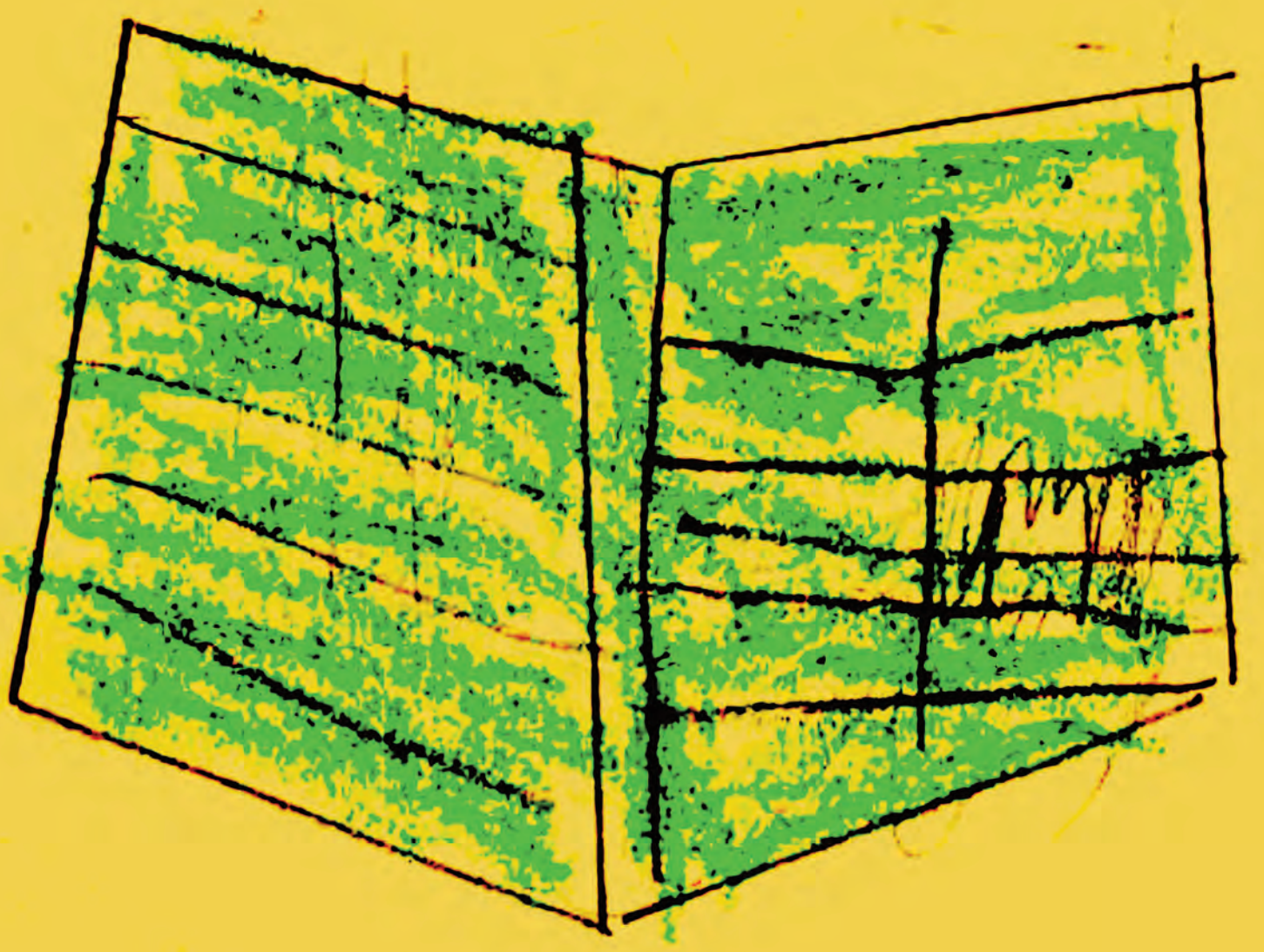

कॉपी

शहनाज़

कॉपी

लेखन और चित्रः शहनाज़

लर्निंग कलेक्टिव, जे.पी.कॉलोनी, नई दिल्ली–110002

प्रकाशक : अंकुर सोसायटी फ़ॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014

कॉपी

शहनाज़

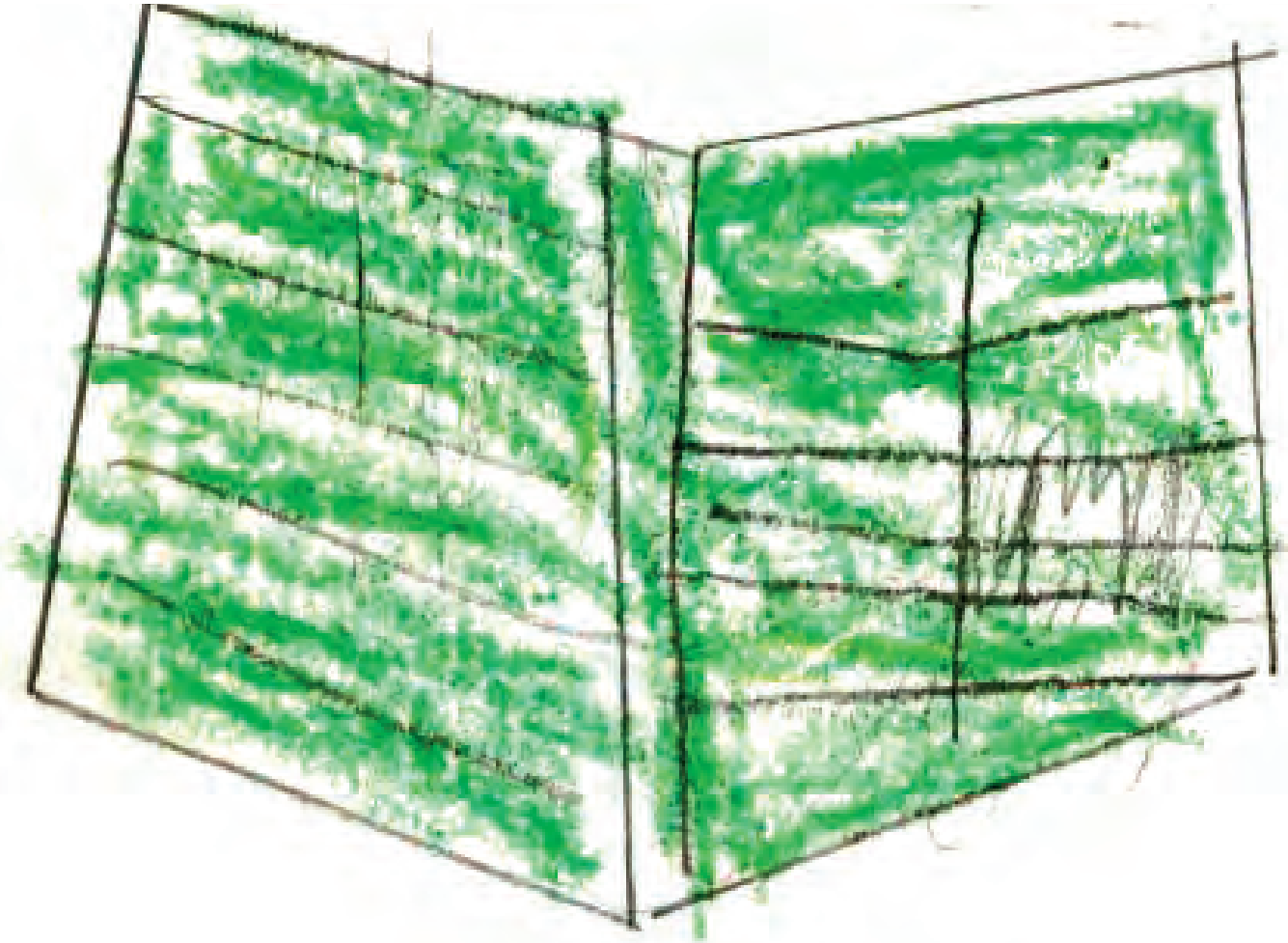

मैं एक कॉपी हूँ।

मुझे बैग में रखकर
स्कूल जाते हैं।

बारिश में भीगने से
गीली हो जाती हूँ।

स्कूल में बच्चे लड़ रहे हैं
और पानी पी रहे हैं।

बारिश की वजह से स्कूल आने में देरी हो गई। मैं भीग गई हूँ तो मैडम से मुझे डाँट पड़ी है।

मैं अपने पन्ने सुखा रही हूँ।

घर पहुँच कर पंखा
चलाकर सो रही हूँ।

कॉपी

लेखन और चित्रः शहनाज़

लर्निंग कलेक्टिव, जे.पी.कॉलोनी, नई दिल्ली–110002

प्रकाशक : अंकुर सोसायटी फ़ॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014